





નવાઅકતે(દ્વેવાએન

	1द्रद्रास्त्रह्मस्यविःशुवासविःसेतुःसेष
タイタ・型タ・ブ	र्गों व अर्के व व शुभ श्रुच श व व श य द र व र त व र त व र व र व र व र व र व र व
	<u> </u>
শ্ব্যাক্ত্র	चग्र-चन्न्रवाश्री:ख्रम्।चक्कु:चलि।प्रश्रायेत्र:घतिःसेग्रवाश्रश्राम्बर्शः
বন্ধ শ্বুব	ঘরি:শ্রম্পান্য বৃত্তীর। ইবা:केव:प्राप्त वेव:येव:प्राप्त वेव:येव:येव:येव:येव:येव:येव:येव:येव:येव:
প্রবর্ষী,य	মর্ব স্ক্রু ন'শান্ত্র শা
क्रॅंब:या	গ্রাব্যমট্রিব:পুশ্র:গ্রাম্য
स्याः कु । यति।	বर্ট শ.শ্ৰশ.ন্তম.ন্তব্.খ্য. দ্ব্যানা।
	র্বা'ন্ড্রা'র্ম্বা'ন্ড্রা'ন্ড্রা'ন্
	क्रॅश्चस्य उर् क्रॅंट विट प्यत्य सेट पा
	<u> </u>
ন্দু শান্ত্ৰ	ररमी कु के वर्षाय र वर्षाय र के वर्षाय
शेःह्रमाया	अप्रदेश सम्बाद्य स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय
র্মা'ন্ডশ্বা	রগ'নেই'র্ব্বা'গ্র'-সুহ'গ্রীশ'নসূক'ন।





बग'य'र्क्कें'दुग	क्रॅंब क्रॅंड्ब इस्टब्स्य विष्य दि यह वा के हैं।		
	ନ୍ଧିୟ:୬୭୯ ଅର୍ଥ୍ୟ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ		
<u>रिवेग्वर्गान्तेव र्वटार्थे दुगावे व्यापाद्दाय विषया यह श्रेर्वे विषयी यह श्रेर्वे विषयी स्थाप</u>			
এষ:বি: রগ'মম'ম ই	हेट्याया अर्चेट्र अदे कें क्रुं क्रुं क्रुं का का केंद्र वा अदे बगायदे वा		
_	गट ये दश्चिम्बार दश हैं द सेंद्र स क्रें प्रदे दश्मिन स्पार स्था		
ৰুষ্'ম্বই'ৰ্ক্ট্ৰ্য্'বেষ্ট্ৰ	ॳॱ॔॔ॸॱढ़ॕ ॴॹॖॴॿॖढ़ॱॎ। क़ॴॹॗ॓ढ़ॱॻॖऀॱख़ॖ॔ॸॱॻऀॱक़ॖॺॴ ॿॴ ॱ		
यदे कु शेर श्रिष्ठ			
ईग.चर्नज.च।	क्यानक्रयाम्बर्याचारास्य प्राच्यानक्रयान		
क्रिंश	रद्योः देशे विद्यापा		
क्रॅंट वेट यह ग	क्रॅशर्रायवेव ग्रीश्रूरि विट म् वाया स्ट देश्वश		
बेर्'या	यर्गाः हुः अः शुयायाः ह्रे। वयायशुरायये खुग्राक्षां।		
	विग्'न्स्रव्'मुं'्युव'स्रवदे'रेदु'स्य		
ইন্য'ন্মর'য়ৢী'	वेषा पश्च कर्से दाय देश से देश मुचा सवदाय महासे हिंग्हें में र		
গ্রুব:মহাব।	गुन'यदे'गवि'यम्य द्वम्य म्सूम'री भेरत भूम'य		
ইিমা'ন্মর'শ্রী'	वेग'न्यव'ग्री'यर्ने'न्न'यव्व 'यदे'ग्रुव'यवद'यवेन'यदे'		
গ্রুব'মহাব'স্ক্র'বা	କ୍ଷ୍ରିକ'ଗ୍ରା ମ୍ରି'କ୍'ରି'ଆର୍ଟ୍ରିକା		
অশ্বর্শগ্রী:	यर्रे के पार्रायके ने क्षुबायबादन्य मी हे व वे प्यश्मी		
हेवा	चनाःकन्यसःचर्झ्सःचदेःस्याःवेद्याःचुद्राःचुद्राःचुद्राःचुद्राः		
विषयि विषय्विताचा विष्ठिषा सुः विषये सुः भित्र मुः निष्ठः सुन् स्था विषयः सुन् सुन् सुन् सुन् सुन् सुन् सुन् सुन्			
यायाचेत्। गर्वेशामशागुराञ्चताभेतायत् चेत्रस्य वेशात्रायशायशाद्राचे			
गलक र मुञ्च य लेग य दें र।			
चे'अर्द'गरेश'ग्रेश'चे'र्देद'यदेद'श्या कॅश'ग्रे'यदग ह्य'झ'रय'र्छेगश'ग्रे'क'			
वुर्वायाश्चरविर्वाचयायम्। प्रवायविरा वुराबेयवाग्री वायवुर्दरायें द्वार्श्वेद			
्रिंगशपते ऋप्तर अर्केषा वी श्रुप ऋप्तरा की खेता			
9	1 1 9 9.		

ઝવાનકતે(ડ્રેનાનેન

वसम्बद्धाः वर्दे	८.क्ष्मश्राप्ते,त्राप्तुम् । ८वी.य.पथी	
रेग्रा		
বল্লখ্যবন্ত 💥 শ	'র্মারামার্মার্মারামার্মারামারামার্মারামারা	
	र्श्वेद प्य प्रदाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय विष	
শ্ৰম	वर्षे ५:६ंवः ५८:वड्यः चः यद्यं ५:५:छे ५:६ंवः।	
মর্ন্রন্থম। ইব	ग्निष्ट्यक्रिंश्वेशक्षात्रमा हेश्याच्चित्रिया स्वर्धिः	
	พรัสหมา	
	पाहेशक्षावशाईं हे सुप्तुति किटाटे पहेंव श्रीप्तर।	
	('भ्रे'क्कें'वेश'पदे'प्पे'वेश'र्वेष'भ्रम'क्केंश'पविश्वाक्षेत्र'वे	
	रियामिये प्रमा	
ञ्जूषा से ५ खुदः विष	ग्गिश्याम् । ज्ञान्याम् ।	
25×1		
	नुम्'बेसबागुं'यसप्रव्या	
র্ক্তবাধ্যমে	पङ्गवाकेवाग्रम्भाग्रम् । पङ्गवा	
क्चिंर'अर्चेट'क् च ेंश'	अनुसमानमाञ्चरमाञ्चमायास्त्रम् । यद्याः स्वा	
শ্ৰুষ্ণস্থ্ৰস্থ	मैं क्रिंत प्रशासक्त मुद्दात्र शर्चे रद्दा ग्री प्रदार प्रसायित ।	
श्चे केश यादी खेर केश	र्दे देश्व विष्ण विष्ण अद्व दुः अहर प्राक्ष विद्रा विष	
हे'यस'दी'स'यती	मुं'अ'यते'याहेशर्चयाभेत्।	
सद्दःयात्रुः	न्ग्राय्थ्वावशायर्षायावशायत्त्रायत्वायाः	
শ্ কু শা] क्रिक्केदिःसह्दःपःद्रः। च्रदःस्त्र्यःयःक्रिषाकाःषासुसःसद्रभः	
कुषाग्री'सर्दर्याद्रा यतुर्वायहृयात्र्यात्रम्याक्रम्यदेव्यरातुः क्रीव्यवायः		
यक्षिमाविस्मह्	र्भेर दें।	
শ্বম্পাল্লুশান্সাঁর	र्यम् अन्यामुका सुन्ते न्यादे के साम्राम्य स्थानिका	
মার্ক্রিযা	क्रॅव्याप्त्रः क्रॅव्यायते क्रुगाञ्च व व क्ष्याय प्रेवाय प्रेवाय प्रेवाय प्रेवाय प्रेवाय प्रेवाय प्रेवाय प्रेव	
केंशर्गेंद्र:अर्केष	दर्षेषा पदेवा	





<u> </u>	तः निषे तर्तु न शुः चे न त्यादे त्या या निष्	
শক্তিবা		
	1 चे 'च्या' श्रु' प्रदे 'गुप' अवदे 'दे दु' श्रेग	
वु:च्याञ्चःय।	गञ्जर इंगर्नर स्टर्भग भेर छेट छै र्ने ब्रायने व श्वाय हु	
	प्रबेट प्रदेश सम्बद्धा प्रश्चा प्रश्चे प्रवेश स्था स्था प्रवेश स्था प्रवेश स्था प्रवेश स्था स्था प्रवेश स्था प्रवेश स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	
	つ動うド	
स्यदे श्रेपते।	र्षेत् श्रु। यय केव पा मवश्य महव पा सर प्रमुर प्राय वि	
स्यदे हे यहे	१) वित्र श्रुपादी गुन रें दि श्रुट दिया । श्रुय रें अंशुट अंदर से श्रुट अंदर से श्रुट अंदर से श्रुट अंदर से श्रु	
অশ্বস্তুশ্ব	५८ः विश्वाप्यम् स्रायम्	
নর্ড নক্তুব্।	१द्ययः केवः वरः वुदः वद्यः चर्यः देरः व्यवस्य।	
वहैषाःहेवःवर्	भःश्चानम्बाःश्चाःश् । १ मुयान्ते ५ स्वा अप्त ५ ५ १ ।	
	ग्रवश्रग्रवश्यह्रवश्राध्या (६४८:घ्रग्रूर:अःक्वेंग:२:घर्टः।।	
श्रुट प्रामान शासा	युःयःगश्रुम्। विश्वःयुर्दे।।	
षर:वी:ब्रुदे:५वी:	य। विक्रि:वे:व्याञ्चाय। के:व्याय। स्यान्वराग्री:वे:वयाञ्चायः	
·	শ্ৰুম	
गुबः ईवायदेवा	না ছ.১১৯.ঐ.এ.১৯.নেওম.ৠয়.ড়.১১৯.ঐ.এয়৸.ঽয়.৴৴.	
	दह्में सु:सूं र प्रदे र प्रदे र स्वर्ध रहें र प्रदे र स्वर्ध र स्वर्य र स्वर्य र स्वर्य र स्वर्ध र स्वर्ध र स्वर्ध र स्वर्य र स्वर्ध र स्वर्ध र स्वर्य र स्वर्ध र स्व	
गुवःईयःग्रेऽ५वेः	य। द्वीयश्रीःग्वःह्याद्यः क्ष्याश्रायदेःग्वःह्यायदेशह।	
	रेअप्यविव गुव हैंयायायहेव यदे गुव हैंया दर ह्या	
यायहेवायदेग्	<u>बर्ह</u> ें यात्र में बर्ग केंग नियं का सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा सुरा सुर	
1 6	वित्राम् क्षेत्राक्षेत्र विवर्षे ।	
र्देव'दय' किःस	ๅ୶ୄ୶୰ୖୢୄ୕୕୕୕୶୰୷ୡୄ୕୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷	
यदेवःया बिः	रेर्देर प्रतिः क्रेंश इशाधिन प्रति दिन्दा मुल्या विकास	
बेर		
, ,		

अदाक्षक्रतेशिवकेन

यदः बनाकी विदः बना सदः कुः श्वयः प्रते ः हु सः ख्यां दः ग्री सङ्गे दः प्रदे दः स्वा स्वरः विद्या स्वरः विद्या स्वरः स्व

ह्यत्रभेत्रःग्रीः विदःसरः त्यादः वैवा

सर्हेर्'यश्चन्द्र'यदे'सर्वेट्'श्चट्'गु'चकुत्।		
दह्या:सुवा	वर्देन:यवा	নিম্মার্শীর মান্ত্রী মান্ত্রা
स्यायनेवा	इ कुँ व : पश्चित्र	क्रिंट विं से द्रायं दिया है।
गुवःदबुदः	यहेगासु अधर सुर्ख्य पहुल	म्बुअ:५८:विट:विं:बेर:
বর্ষীবা'মা	अर्केग यहें द माशुक्र का मार्ने माश	यदे:जुष:जुष:रे।
	यदे यतु ब यतु ब ।	
यम्य मि	दह्यास्त्रमध्यात्रमा	गर्नेशन्दार्विदार्वेश्येन
	শ্র্মিশ্রম্প্রমন্ত্র-অর্ক্ত্র	यदे यतु ब यतु ब से।





<u></u>	శ్లేమ శ్రాగా చెన్నా నా నా నా నా చేస్తాలు చేస్త్రాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్త్రాలు చేస్తాలు చేస్త్రాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్తాలు చేస్త్రాలు చేస్తాలు చేస్త్రాలు చేస్తాలు చేస్త		
ন্ত্রী মানক্রি মার্কা বি			
वर्देर्यंत्रा	র্মান্ত্র		
	८ विं ८ कुषा अ २ वा पा विं ८ विं अ ८ पारी वाशु अ वाशु अ		
ଅଷ୍ଠା			
มฮั่ราฐัมาฏิาช	८.वि.पर्ने.रेब.सर्ने.संयुविश्ववश्वतरायरं.स्री.पर्य.स्वी.		
यर वुर्दे।			
	1ଧ୍ୟୁ ଅନ୍ୟର୍ଥ ଅବ୍ୟବ୍ଧ ଅନ୍ତ୍ର ଅଧିକ		
बर्दे हैं या	ग्राज्य स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्य		
	ঘরি ব্যবি শ্বদ্ধা ক্রশ্র		
र्देव'र्ब'	रट.ब्रेट.लेज.२.वेर.तपु.ध्रॅ.ज.ब्रेट.च.क्रेर.बीच.त.क्रे। ५२४.		
यदेव:या	ত্রশক্তম কর্মা।		
गुवःईचः	रट ब्रेट सुवातु चित्र पार्थ क्षेत्र पार्थ र आ शुवा पार्थ केंबा		
यदेव'या	हें। हगाया इसमार्थे।		
रट'सर्वत्।	हिंगायशयहर्गशर्ड्यास्रेन्यम् शुवायदे दिंशाची		
গ্রী'মর্কব।	हेंग'यशयहगरार्थं अ'र्'गुय'या		
মহঁব শ্বুম গ্রী	वस्याश्रायवे अतुश्रायात्वया यीश्रायन्या यीश्रान्येत्र प्रवेशयन्त्र		
श्रदःसीया	इसर्देशसुंहेंग्यान्यान्यायेर्स्यायाहेंग्याहे।		
	सर्देन'शुस्र'ग्री'श्रूर'प्रायायाद्रेशचें प्रीतायात्री।		
हेंगायदे दूर	ह्रमाया है। हें मायवे ब्रूट खुया धेवावा हमाया धेवा की दर्श का है।		
લુવા	नेर शुर यदे भेर यद स्पर क्ष्म		
र्कर्'ग	ग्रास्य पुराय विश्वाया प्रचि व स्राम्य विश्वाया प्रचि व स्राम्य विश्वाया प्रचि व स्राम्य विश्वाया विश्वाया प्रचि व स्राम्य व स्राम व स्राम्य व स्राम व स्राम व स्राम व		
यद्भाया	हिंगाच्यासायविष्यायदे मेशाय। नुचे त्रान्यमा धेन सम्मेगा		
	क्षारमुँ र अर्दे क सुमान वि।		

5	बुक्'भेक्'शुं' खुद्'यम्'यम्य विषामि'सेद्'भेष	
यर्देव'यः भ्रे'यत्व'यगवः भ्रेव'य। ग्रु'वय्यात् भः अव्याभे श्रेत्'य। क्र्यायर देवाः		
	वुषाबाधेर छेट पाञ्चषाबाद र द्यो प्यायवायाया केंब्राख्ट प्यक्कर	
विक्षिण कुरवर्दे द	पा न्यान्यर्थमञ्चन्यार्ह्मययाययात्रययाय्येन्या इयान्योया	
विदुःषाद्वैश्रायान्य	र प्रह्रुव व र देवा श्वरं या क्षेत्र अहर पेंद्र पा	
	1 প্রবাস্তর শ্রী শ্রুবা মধ্র ই বি শ্রেমা	
ষ্ট্রপ্রপ্রম্পর্যার	ঀৢয়ঀয়য়ৢয়৻ঽয়৻৴৾৾ঢ়৻য়৻ঀয়৻য়য়য়৻য়ৢ৾য়৻য়৾য়য়৻য়ৢ৾৻ঢ়য়৻	
<u> </u>		
विगाळेठाशीः वि	वेग-केत्र-ग्री-सर्दे-ग्राट-प्यट-र्-र-प्य-र-स्वत्र-प्य-ग्राचार-	
শ্বীয়-প্রস্থা ব	वर्तः र्ह्मे र मुद्यायि वित्यमात्व अभावस्था सुमा से में बाह्य से मुका मुका	
_	ग्रुष्ययः देव।	
	9 111	
वेग'केत'ग्री'ग्रुप'	वेगाळेव'ग्री'अर्दे'ग्राट'यट'रुट'य'र्न्ट'अञ्चव'यदे'ग्रुव'	
প্রবর্ষীয়ে।	ୟସଦ'ସନ୍ତି ଟ୍ 'ସହି'କ୍ଲିଷ'ସ୍ତ।	
णट्रक्रिंश्युःचन्यासेन्यतेन्यतेन्यते सर्वास्य		
	<u> </u>	
वर्षभन्नेदावदेवे	:बेगा बर्दे ग्राट प्यट उट या वायहे व हे : रेग्राच त्ये द्वा	
क्रेत्रश्चातः अधवः व		
पद्गुंद्रम्द्रितः		
वर्चेत्	<u> </u>	
1 बेसबार्डसायदे मुदासबदे सेतु स्रीम ग्रीहा		
ষ্ঠিমশ্বর্ভমান্য।	ुःर्देवःश्चेदःक्षःयःयदेवःशुयःहःयतेदःयदेःश्वदशःक्तुशः विःर्देवःश्चेदःक्षेत्रःयःयदेवःशुयःहःयतेदःयदेःश्वदशःक्तुशः	
	यः र्वेः त्रं त्रं त्रं स्थार्यं स्थार्यं र्वे प्रत्यं र	
	गर्वेश यदः तः इसः यदेवः ह्वः गर्वेश	
र्श्रेवाय विद्या	त्यवाबादाः विवाबा सेन्। तक्षुवा च र्डेबा वी बाक्षे खुन दः क्रिंस	
	র শ'শান্ত্রপা	
तुर्वा	बर्दे हे द्वें दश्योया	





क्रुअ:यदेव:या	न्यन्यस्य त्या श्रृं स्या स्या स्या स्या स्था न्या न्या स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थ
<i>इस</i> ्ड्र <u>न</u> ्य	प्राचा क्रियं क
गुकः ईचायदेवः यः	ଦମ୍ପର ଅଟେ ଅଟି ପ୍ରଥମ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ ଅଧିକ
याब्द"र्घर"।	र्ट्स्य क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था
গ্ৰুব্দ স্থা	च्यः स्ट्रें त्रः ह्रें म्यायि द्वार्यं म्यायि व्याप्त स्थायि स्थाय स्थायि स्य
र्नेब-न्य-चन्नेब- यः	दहेव हर श्रेत्र श्री खुया तु श्राव्य श्राव्य श्री व्यापित श्री व्यापि
यट्या: यट्या: अट्रख: य्	व्याद्रः क्ष्यां श्राचितः त्रुं व्याव्याः स्त्राच्याः व्याव्याः स्त्राच्याः व्याव्याः स्त्राच्याः व्याव्याः स्

નવાયકતે(દ્વેતાએન

इशक्त्र	रट हैर देश माज्ञ ट पार्केश माल्य देश प्रज्ञ ट प्राप्त हैं श्राप्त है श्राप्त हैं श्राप्त
নদ্শ্ৰশ্ৰ্ম্ন্য	र्ट हिन्देशम्बर पार्केशम्बर देशप्रब्द पार्थ हिं स्पर्ध । किंश नियम् वा मान विष्य हिंदी ।
ळॅब:ग्री:यद्या अद्	क्ष्यः इस्र अः श्वः ह्र्याः यह वाः यह या विष्ठः यह याः यह वाः यह याः यह यह याः यह याः यह याः यह याः यह यह याः यह

क्ष्यः स्वयः स्वर्त्ते व्याद्यः विष्यः विषयः वि





	गञ्जर रहें द गढ़े श क्रें र क्षुय छे र ग्री रे द के ग	
झ्रव डेग	र्धेव'र्दा'न्द्र'र्ह्व'यर्देव'सुयार्क्वशं उवा स्थापविवाग्रीस	
नुश्चेम्बान्यः शुःह्रम्बा	क्रॅंट क्रे। युव उँग द्रीम बादि संधिव यदि द्वीर। बेब यदि।।	
झुन्र डेग	ૄર્કેલ'દાં'ન્રુશયાલા કોન્'ગ્રી'અર્દેલ'શુઆલીલ'લ' <u>ક્રેં'લ</u> દ્દેલ'અર્દેલ'શુઆ	
र्भेगश्रेर्	र्भगमान्त्रेरामुः देन स्थाप्त स	
ग्रे-देवा	য়ৢয়৻ঀয়য়ড়ৢঀৼয়ৣ৽য়ৼ৾য়৻য়য়৻ড়য়ড়য়ৼয়৾য়ৼ৾য়য়য়ড়ড়ৢঢ়ৼয়ৣ৽	
	र्दे दिन क्षेत्र स्था वियाया दे 'दे 'यो के श्राञ्च त क्षेत्र 'दे या विश्व स्था ये विश्व स्था ये विश्व स्था ये व यदे 'दें विश्व स्था वियाया दे 'दे 'यो के श्राञ्च व 'दे यो दे यो विश्व स्था ये विश्व स्था ये विश्व स्था ये विश्व	
गह्मयःबिदः	क्रॅव'र्च'र्क्रब' उवा क्रॅप्टिव'यर्चव'श्रय'न्ट'ह्यामावव'याधेव'	
र्रमायदे	हैं। क्रेंप्ट्रेंब्स्क्रिंस्क्रुंशश्चित्राम्बर्धाःचरार्धेट्रावेट्रार्द्यायदेः	
हगश	हीर लेश पर्दे।	
र्नेहें अप्ताउँ वा धेर् : इ:र्	য়ৢঌ৽য়ঀৼ৽য়ৼয়য়ৼয়য়য়ড়য়৽ড়য়ৢ৸ড়ৢ৽য়য়ড়য়৽য়ড়য়৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	
ঘর:ম্বাশ	श्चित्रायते ख्चिम विचःह्री खेर्च्न, नुः स्वान्त्र स्वान्	
	बेद्दायत्राम्बुम्भाम्बुम्माम्बुम्माम्बद्धाः द्वीत्रायतिः द्वीत्रा	
बिश्रायाधित्र व	भार्चर। र्देशम्बिमाधिरावै। चार्राख्येरावेशपदि। र्देशची	
	अ'ग्री'क्रेट'व्य'पीव'ग्री'ह्यांग्री'क्रेट'व्ययात्र्यायात्र्यस्य सर्वेट'यदेः	
न्द्रश्यां वाडिवा सेन् र्ने।।		
মইব:শ্বমা	हिंगाच्यायगळग्रायह्रवाचुरागीरियाय। रचेना र्यरा	
	戦ち、エエ・ギャ、乗れ、て受エ・おどる、もれ、これでは、 ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・ ・	
ব্যক্ষর	र्वित्र प्रत्या अर्थित स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	
दे'अ'হ্বদাক্ত্রীব।	र्ड्रे.पह्रेथ.ट्यट.अट्र्य.बी.याज्ञत.क्रीट.बी.लया.ह्रंश.पह्य.तपु.	
	र्भा	

ઝવાનકતે(ડ્રેનાનેન

1 3			
ন্দ্ৰ ক্ৰীকা	क्ट्रिंदिन'द्राद्र'याञ्चम्बादिन'दादे'यम्हेब'दहेवा'		
	্বর্থের্ম্পর্ম্পর্ম্		
<u> ५५:</u> ५ॅबा	श्चादीयवित्र पारीत परि अर्दे।		
देश देंबा	श्चुं है प्रविव प्रदेश में		
<u> </u>	न्व्याद्यायायम्यास्य स्थायत्यात्रात्यात्रात्यात्रात्या		
মর্কর'শানী	यद्रदःर्देवःद्रदःश्रअःदेशःर्देवःर्वे। ।गाववःष्पदःशद्रदःअःवैः		
	गर्भर चु लेट । अँगश्रद्ध रें दे रहा वृष्ट्रे य वस्र विष		
	बुअर्धेर पर्वे पर दुर्दे। विश्वर्य प्रस्तु दु रेशर्देव र्दे।।		
रेग्रा	इशक्तुव र्घेष भेर वयर्देरय पदे खेस्य सेर मे वया सेर मी		
	शःच्या रच्चे:व.रर.चवेवःगवशःरगश्ररः कुशःदग्रुरः		
	ইল্খ্যান্ট্ৰা		
रदःचबेवः	रैग्राबर्ट्र देव ग्रेग्रिं प्रतेत प्रति ।		
গ্ৰহ্ম হিন্ম	गर्भेश्वरम्यायते रेग्रेग्रायायते द्रायाते शक्षा सूरा		
म्बर्गातर्गीर.	র্ষ্রমার্ক্রমার্ক্রমার্করমার্কর বিদ্বার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্কর বিদ্বার্ক্রমার্করমার্ক্রমার্বরমার্ক্রমার্বরমার্ক্রমার্বরমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রমার্ক্রম		
रेग्या			
16	पुट मी <u>हे</u> शत्र प्रति से अशर्ड अपि दे गुप्त अवत्।		
শ্বীমশ হ্বম হা	ख्राची हेबायवरामी गुवामिले प्रायम् ध्रमाया होमामिल्या होनामिल्या		
গ্ৰাক্তমাৰী ২৯	·सिजाङ्गेरःत्तरःशःस्यां अन्तर्या विष्या विष्यः स्वानाः स्वानाः स्वानाः स्वानाः स्वानाः स्वानाः स्वानाः स्वानाः		
্য বার	श्यते अ श्चेत सुद अ तक्ष्र यदे स्थे ५ ग्री इस देव		
	·श्चेत्रःशुःत्र्यः नेत्रःते ः ध्रुषाः ये८ : तुः त्रातः तृरः चेषाः केतः हैं : हे : हुः । ।		
	. है द दे त है अ च र तु र त हु या छे द र दे र व अ र्थे या या व र या व र या व र या व		
	गुट:श्रेस्रश्-द्रवट:ब्रॅव:प:(५ष:श्र-त्रशःदर्हेष्)(धत्र:क्रद:५८:५श्-		
1 - 1	्रियायार्चियायविः क्रुद्रायार्थेषार्यो ।		
	श्चित्रवादः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः		
	"कग्राफ़। गुरुमार्वि प्रस्थायम् प्रवित्य सर्वे प्राम्हेर्ग्यी प्रमा		
गुन'गवी क्य	अःश्रेम्बरम्बरम् म्वावनः यदः दुमः हुः द्वेः यः श्रेम्बरः यद्		





अर्देव प्रहेंद्र यदे द्राप्यदेशें लेश शक्ष्य क्षुत् क्षुर क्षेत्र क्षाय देव वा प्राप्य क्षेत्र	<u>,</u>	
ग्रीःचयाःकयाशा विशःश्चेदःग्रीःचयाःकयाशा		
यन्याः स्रुदेः प्रदेश्रुम् प्राप्तः श्रीत् । चीत्रः स्रीत् । चीत्रः स्रुम् । चित्रः स्रुम । चित्रः स्		
ন্মা-ক্রম্পা		
श्चेन् प्रति प्यति श्चे प्रति श्चे प्रति श्चेन्		
यी प्रयाक्षया	ļ	
विवासीना गुवामावीत्यान्स्रीमात्रावत्राम्यसी		
चरः दहेव प्रदे श्चेताया सुर तु अपम्रम् व उदा श्चुव प्रम् व प्रश्न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत		
थे८.मी.स्यार्च		
तह्रमार्थ्यामी र्श्वाभीते मुद्दारायामुक्ताभीकरायमार हमार्थेमार्भ्वभागार्भ्वभागार्भ्		
५ अः व्यम्बायाये अनुभागाना । ५ वाम्याया । ५ वास्याया । ५ वास्यायाया । ५ वास्याया । ५ वास्यायाया । ५ वास्याया । ५ वास्यायाया । ५ वास्यायाया । ५ वास्यायाया । ५ वास्यायायायायाया	<u> </u>	
र्वेतायदे सेस्रायायम् कर्रित्र क्रियाय वेंता	ļ	
व गहर र व्यापि ।		
अ्वा से द स्वा से से प्राची के से प्राची के से से मान से से प्राची के से	٦٠ ا	
वित्रमः अन्याभेदःग्रीःकेंग्वाञ्चम्यास्यस्य कुत्रभेंकदःय।		
ह्यत्र भेत्र ग्री हिन् यम स्वाद लेग		
गुन्यावीर्द्रिन्धित्रायीत्राच्येन्द्रमानेश्चिषायाचीत्। सवराद्यवाचेषाय	1.	
বাৰ্মা ইবাৰাক্ত্ৰ'শ্ৰী'ৰ্মমৰাত্তৰ'ৰ্মিত্ৰ'মৰ্মিবাৰা'অন্তিত্ৰ		
ইগ্ৰহাইৰাব্দ্ৰদ্দী ৰীমৰাৰ্ডমান্ত্ৰ শ্ৰুদামপ্ৰব।		
रैग्राह्म प्रदेश हे अप्यादार । गुंद्र ग्राह्म अद्यादा अद्यादा स्वाद्य विष्याद्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विष		
สำลัมลาฮ์มาย ลิมลาฮ์มาย		
रैग्राबाक्ष्य कर्री सेम्बार कर्म से से द्वारा स्वार्थ के से मान्य सुन कर्राया से दार्थ कर्म से		
अर्घर श्वमा भेगा पाम स्वाप्त श्वापा स्वाप्त स्वाप्त राष्ट्र र में वर्ष प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त		
श्रायमः वित्राम्यातिशाविशाम्यात्तीः हिंग्राश्चाम्यास्त्रवाशास्त्रम्यात्रास्त्र		
वर्गेन्रह्म क्रियाययन्तिया विश्वक्षियायम् विश्वक्षियायम्	1.	

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~			
	'ম'শুর'মচুশ'ঝঝ'মঞ		
वर्ते ५ जाते मुन्	ग्रुत्यहेंग्रू	ग्रुतः अेदः गुर्देत।	
वर्तेत्र:कत्।	विट्रिंश्यामित्र	विंद्र विं अविं विवास विंदि ने प्रमा	
ले इटा	শন্ত:ব্-শ্		
도.휖어I	(तेर'वक्चर'र्घ'य'वरे	(ब.चषुदु:शर्ब्रट.बंद.चषु:रु.खें.चश.	
ম:ইম্বাম্বা	বক্কু'ব্হ'বস্তু'মান্ত্ৰীৰ'	श्री अर्घर:श्रद:गर्ड:वॅ:गुव:र्श्वेर:	
बे र्कें आ	गशुअःह्री दहेगःस्र	क्ष्याविस्राच्या प्राचित्राच्या सक्ष्या	
दहेगासू	विद्या वे र्क्ष्य हेन	र्बेट्याउवाही यहूँरायमा वर्षे थे।	
शबर.की	वर्देर:५८:लंब:र्वेर:	८८। विमायायान्ने स्ट्रीयाने स्ट्रीटा	
श्रु'च'मर्केषा'यहेंत्रा	डिग । घर घर घर्ग	८.ज.म्बाबाचा ।८.ज.हीर.व.चश्रम	
र्क्यायहुत्यासर्केषाः	यश्रवःहैं। विश्वाश्रव	<b>₹</b> ₹()	
विह्नेत्र			
विंगास्त्र			
	1৴ঀয়য়য়য়য়য়ৢয়য়য়		
५८७ स   मिले सुया	<b>न</b> ॱहेवॱढ़ॿ॓॔ॴॸॣॸॱॻॸ॓॔	<b>૱</b> ૹ૽ઽ૽૾૽ૢૺ૱ૡ૿૽ૣ૱૱ૡૢૺૺઽૺ૱	
বা শ্বমান্ত্র	षप्प र्वे:व:ररःकुर्व	এব্দ্রেথ্য ব্রম্থ ক্রম	
		वै। सन्भार्भेषाभारेषाभार्सेषाभार्द्धवाभार्द्धवा	
वर्चेत्। अर्रेगुव्यवायह्रवायार्वेषावात्ता स्वावायार्वेषावार्येत्।			
तिर्म सिंग्रें मामे वर्षा प्रमें प्रम			
1২০:ক্বুত্র মের্থ শ্রুত্র মের্থ মের্			
रटक्ट्राया गले	र्द्ध्या विविश्वयात्रः स्टार्ट्सात्रसम्बुदायसाविदायात्रित्यदे द्वासाया		





८ ५ इ.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स	శ్రీగ్రాదాడి కాడా శ్రీగ్రాదాడి కాడ్రాలు
শ্র্রিঅ'বেন্ট্রিস্।	र्श्चित्र त्येष्य श्वर्ष्य त्येत्। त्रुवर् या स्वर्ष्य त्येष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य त्येष्य स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्ष्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ष्य स्वर्य स्वयः
तुर्भ।	য়ৄ৾য়ৄয়য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়
गुवःह्यः यदेवःया	र्ट्स स्थानी अस्त्री अस्तर स्थानी विष्ट्री स्थानी के अस्तर स्थानी के अस्तर स्थानी विष्ट्री स्थानी के अस्तर स्थानी स्था
র্ন্ন্র্র অনুন্র্	रटः अर्देत्र शुअः तुः हें गृश्वायदेः स्वतः अश्वाति शङ्गदः तुवः यदेः र्स्तवः ग्रीश्वः हेंतः यरः ग्राचा द्वीः त्वायाः व्यवायीः यद्वायो दियाः ।
	भेद्रामात्रेश्वर्षेत्राचराद्याः अष्ट्रामात्राच्याः स्थान्त्रेत्राद्याः । व्यवदार्षेत्राद्याः ।
ব্ৰ্ন্স্ত্ৰ মন্স্যুমা	र्त्ते मर्ते द्राये क्ष्या क्ष्या प्रति ।
	र्ह्में स्वरंभायां वार्यंभायदे मिले हो सक्के हो स्वरंभायहे न स्वरंभायां के स्वरंभायां स
শ্ব-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র-শ্র	धित्र । र्केश स्थ्य यदेव : शुयः ग्री अः क्षेंद्र यदे : खा
र्नेब्र'न्याया नुर्द्धेन्'यदी	मर्केर्यं अर्यं प्रम्थं मुंति स्वरं मीश्रायत्वम् या अत्रायः र्केशः स्टामी मात्रश्रायम् श्री प्रयासंभीश्रायत्वम् या अत्रायः र्केशः
র্ব্রন্থ হুন্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	र्देव-द्रमः पदेव-पद्रमः शुः मार्डः विष्टः ह्रिव-पदेः श्रुः है । पदेः स्र्री

ا الماريخ الماريخ		
	ॱॾॕय़ॱय़ॸॖ॓ढ़ॱय़ॱॸॣॸॕॹॱॹॖॱॺऻॾॕॱय़ॕॸॱक़ॕॖक़ॱय़ढ़ॶॱॿॗॱॾऀॱय़ढ़ <mark>ऀक़ॱ</mark>	
य सेव परे सर्		
	बुव् अवःग्रे पुर्दायम् विष्	
रटार्ट्स क्रम्युटाया	रट.घषुष्यःश्रीयःय। रट.मी.ट्र.च्र्यःश्रीयःय। रट.मी.	
	प रदःवी यद्वा हेद्रः ग्रीश शुयाया स्र अश द्वा वा हैवा ह्वा	
1 2 1 <u>4</u> 1	र्गागुक हैं या ग्रेश वियाया यदेव यं रागुयाया देव दश	
, ,	प्रियं सुर्याया मान्य अस्य मान्य सुर्या या स्थान स	
	राता क्षेत्राभूट.ग्री.कु.प्रमामुक्षेत्रभातकट.ता भवर.	
	गुंवाया र्रम्थकर्षेक्षश्चरं सेम्राज्य सेर्वायर वर्षेत्रं ।	
	৽ৠৄয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	
	रद रेगा भेद छेद छै दें व पति दाये रदा कुद या	
スエ:動力:四		
•	र्ह्में प'न् चें क' त्येग ब'स्व' त्ये दी	
	वःश्रृत्रपतिःवेश्वापायात्रयायायाः श्रूतःवितःश्रूतःपाःसूरः	
	रद्यी अर्द्ध के द्र भी श्राचीय दा है। विभाषा के विद्या	
র্মনামন্ত্র-শূর-ইনা	रदःग्रम्भयःचरःश्रदःचर्थःवेश्वर्यायाः श्रुदःचः स्रूरः रदःगीः	
	यक्षत्र'ते <u>त्'ग्र</u> ीशयेत्'यास्रे। श्चेयाक्चु'यु'तुर्दे। ।	
	हेव'गंडिग'य'रेगबासइव'ग्री'ह्य'र्'अ'यर् ब'या द्येर'	
	व्याच्यायास्य स्था ह्रिया स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थ	
वर्ग्या	हेव'घ'८८'यर'ह्रा रेग्रा श्रे अध्व'य'	
र् ज्ञायर् अपा र्येरवर्भाषा र्येरवर्भार्यार्या विष्या अपाय्या अपाया		
र्भेग्रामुन्भेन् भेन विदायहग्राम्य विदायहग्राम्य		
सर्वः हिंगान्यस्यतिकातिः रेगाया निःवः सरारेगसेन्यस्य स्वराधिनः		
शुम् दियाय विस्ताम् अभागशुम		
इट देश ग्री दर्गेटश दर्गेय यश महादश दर्श दर्श दर्श दर्श दर्श दर्श दर्श दर		
मर्क्रवाबी वर्षायाक गढ़िया महत्य सर्वे वर्षा		
रट'स्वार्या श्राप्तवेद'या श्रीप्तवेद'या		





धिःर्देव। धिःर्देवःभेदः	पद्राच्यात्रः विश्वेषायः । स्टःसेवा द्याः असः क्रेंत्रः श्चेताः व्याः ।	
अर्दे निरमीयर दर्शेर श्राया श्रीताया   द्रायर   याश्रीयविद्		
	র'ম্ম'ন্থী'নিশ্বাম্ম'রাশ্রী'	
हिंग्राच रेग्राच अध्वर		
	र्बेन् प्रति म्हान् प्रति स्थान मित्र मेत्र स्थान	
श्रद्रार्थे।	श्चेत्र या है श्र अर्थे द श्वर ।	
শ্বান্ত্ৰ শ্বা	क्षेत्र महिका के कार्य दे के कार्य।	
শ্বাশ্ব্যমান্য	<u>भ</u> ्चितःगर्हेशकेत्रःचितः।	
श्यवेया	ब्रीय गरिश के व र्ये दे खु द र द ।	
श्र.च	क्षेत्र या है अप्य विद्या के कार्ये।	
শ-রুবা'মা	। ଶ୍ରୁଘ୍ୟାନ୍ତିଶ୍ୟ ଦସ୍ତିଦ୍ୟ ।	
শ্বনূৰ্যা	<u>भ</u> ्चितःमार्द्धेशः दर्वेदः सुदः।	
対ロ動力に	क्रिं अर्भे पास्तर हैं अर्थ से अर्थ से प्राप्त के प्राप	
শ্ব্ৰুয়া	ବିଷ୍କୁଶ୍ୱିସଞ୍ଜ୍ୟ'ନ୍ଦିୟସ୍ଥିୟ'	
শ্বস্থ্যবিংৰ্শ্বন্	वेशक्षेत्रकुट:स्वराय।	
শ্বায়ন্ত্র্যার ক্রিব্র	विशक्षितः सुदः सुदः स्वार्थे।	
₹वादहै	व्याक्ष्य विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विष	
क्षावर्चे र क्वें र प्रते	<u> चिःर्ने</u> बाबेन् उत्तर्भन् स्वाप्तवेन् यदे स्टाक्नुन्या	
エニ・動う、ロー		
श्चिताय होता श्चित	गर्देव्वं वे प्रत्वे प्रष्ट्रव पर्वे अवी रव अक्रव स्वर्मेया	
	(क्रिक् अंग्राम अंग्री	
	विष्हित्रस्यायदेःद्रम् सुवायदान्वायम् व्यवस्यदेः	
	(हूरा है। येश रा के येत्।	
	र्वा श्रुप्राये विश्वायाया श्रुप्रा ब्रिप्राये विश्वास्त्र म्या	
	र'स्य डिव' डे' यें म' हु' मुग्रा रा है। श्रेम शुः सु दि दे।।	
5ूट:देश:ग्री:   द्वाँटक	गत्मेवायसम्बद्धायते वित्रं मित्रः वित्र मित्रः वित्र मित्रः	

		0 25
मक्त्रमावी परायायाकामात्रेश महत्यायायायात्रमात्रेशर्येत्यराञ्चरा		
	ধ্বর'য়৾ঽয়ৣয়ৢঢ়ৢৢঢ়ৢৼ	l l l
<u> </u>	भ्रेदे माब्द रेगा या द्युव	ম'নৰ'বিন'না ইম'মাধ্য'প্ৰ'ম্ন'
		र्रिं केर में श्वर चुरे कें ब ब्रेंच र्र हुं।
1 . / \	ह्या यं खेंद य र पति ।	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
		वःभैवःशुःश्चरःगहेवःरेखःभग
,	গুর মুদ্দেশী শ্লি	
वस्तरः वस्रा	ত্র-ইশ-শ্র-স্থা-শ্রহ-স্থা	エニ・
মর্হ্রনেমা	গ্ৰহাস্থ্ৰ	ङ्ग्अप्ट्र <u>प्त</u> िर्देशप्त्रेवप्त्रेवप्त्राव
1	वहेंत्र:गुत्र	বদ্ধা
	অনুসামা	
क्क्रिंग्यमळुट:दुरे:	क्षेंग्रञ्जर केंत्र क्षेत्र	क्रॅब्रङ्कीय:५८:वेशःक्कीय:४२:घः
<b>क्</b> ट.2.1	केंत्र चॅंदि केंत्र चें।	केंत्र चेंत्र केंत्र चें।
कुदःवर्द्धदः।	ळेब यहीटा	क्रेव:वर्ष्चेटा
कुट केवा	केव केवा	केव केव।
वर्ष्चेट:सूटः।	वर्ष्चेद:केंबा	वर्ष्चर केंद्र।
यव्चैदःयव्चैदः।	यव्येद:यव्येद:।	यव्यद्भरा
वर्ष्चेद:क्रेव:च्या	यम्चेद:सुदः।	यम्रीट-सुटा
केव चॅंदे कुट ।	ळु८'ळे।	ह्रूद:के।
केव रचीर ।	कुदःवर्त्तेदः।	हुदःवर्षेदः।
केव चॅंदे केव चें।	\$5.\$2.1	\$7.\$7.1
भ्रःश्चॅ्यःयमा	हें व श्वेय यश्चेया	क्रेंब्रक्केय:दर:वेब्रक्केय:सग्रवाय:
'		यश्रेया
श्वन कॅट्र भेव प्रदेश्वेग केव ग्री श्वट गारी व र्स्निय		
	'শন্ত বা	17 1 1
(ผลักรัฐมาฏิเวาะสรามิรานมากูสานารกราสารัฐเมา		
शुःर्वे अर्थे न विश्वक्षेत्र र मार्था या विश्वक्षेत्र खाँचा ।		
/	7 - 7	





35'5mg1	মর্ভুদ:এমা	মর্থ্র-প্রেন্
<u> </u>	100	
5-21	मुंश.जंश.क्टंट.क्टंट.।	क्ष्रिं अ:श्वर केंत्र चेंदि केंत्र चें।
वॅर् छेर्।	कुदःवर्षेदः।	क्रेव वर्षेट १
र्देन् त्र्झ्	ळु८:ळेव।	ळेव'ळेव।
월드작'두게다	वर्षेट:स्ट्रा	वर्ष्चेद्र:क्रेब्रा
अर्देव:गुरा	दब्दैरकी'दब्दैर।	वर्षेट:वर्षेट:।
<b>३८%</b> ५।	वर्षेट्र केंद्र दें।	<u> </u>
ঠী'বার্লি'হা	केंब्र`चॅदे'कुट्य	<b>कु</b> द:केवा
মিল্খার্ন্ত্র্য	ळेव'वडीट'।	कुदःवर्वेदः।
कॅशगुःश्वेता	केव चॅवे केव चें।	भग्न्र-क्ष्ट-क्ष्ट-स्वश्राय। क्वित्रःवरः
		कुद:कुद:खं:क्रें:क्रेंद:।
गुन'हं व्दं	রুম'মট্রবা	श्रद्भः गुरु । यश में या
	1ৰথ'বেগুম'নব'শুন	
হান্য বের্মী ম.ঘা	<u> </u>	<b>३ अ'अ'शुव'यअ</b> 'शुव'यर'विबेर'यदे
9	<b>र्</b> च.भ.स।	
ह्यायहरू	1	
<u> इ</u> षियः यद्ये ५।		भय। प्रश्रव पर्डेश दी स्वेश ग्री त्योय
	ন:জ্মুনাশ্বন	~ ·
विद्यायाः स्वर्षेव	ग यथ. यभि. या र्य	अयः इवा द्वायः । क्रिंद के दः वर्ष वर्षः यः
ক্কমশাস্ত্রীরের	ার্খ্যাশা ঈ্ঘাশ্রনের্ট্র	অ'অ'র্শ্লুর'বাশঅ'র্শ্রবাশর্ভিদ।
বিশন্তা ব্রিথেখন, ত্রমন্ত্রমান্ত্রী ব্রেমন্ত্রী		
विनेत्रा क्षित्विष्याचित्रेत्वे क्षित्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य		
	1	न्यायह्यायरे श्रम्भूत पर्ये र्स्न्य स्था
35	'य'है। द्येर'व। गृह	बुग्रबःक्षॅरःक्ष्रःचुद्। ।रटःख्रग्रबःयःगुर्वः ।
हिंदा प्यर विवासिक के श्री के रित्र में दिन से के रित्र के के दि ता से के		
	গদ্ৰ ক্ৰিমানা ক্ৰিমা	
<u> </u>		

यास्त्रिंद्याद्यदेःषादः	र्देव,र्यार्चेर्यंत्रः स्वीक्षः विकायः आर्थ्येक्षः स्वरः श्रुत् क्षर्यः स्वरः विवादिः स्वयः द्वादः स्वयः स्व भ्रात्तुक्षः स्वयः गुत्रः स्वयः	
यार्ख्नेश्वादादीः विवा	र्ने ब्राचित्रः प्रति स्वाधाः क्षेत्रः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधाः व्याधा	
বর্ষ্যা কিশ্সার		
र्नेत्रप्रम्धित्यिः रेषाश्चित्रण्येश्वर्षायश्चित्रण्यः स्त्रेत्यः		
र्ने बर्ग वर्षे प्रति वर्षे	र्व्याची प्यत्वा सेत्र प्रत्याचा स्थापि प्यत्वा सेत्र वाही स्थाप्त । विकाय प्रत्या सेत्र प्रति प्रति सेत्र प्रति प्रति वाही स्थापित्।	





<u> </u>	र्देव'न्य'न्देंब'न्ट्। यद्यव'यदे'र्देव'न्य'गढ़ेबा सुय'ग्री'
ইল্খ'গ্ৰী'ৰ্দ্ব'	५८८.२.२.२.४.४.४.५८.५८.५८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८.४८
ਨੁਆਂ ਗੁੰ'ਨ੍ਹ ਹੈ'ਨ।	ग्राचिष्यास्य स्वर्धित्या र्रम्य स्वर्धात्या ।
	मै इट र्देर अञ्चत यदे र्देव द्र अधिव या
_	तुः चुश्रान् १ दिंग्न रहे दासदेन सुसार् हें गुश्राय दे पो नेश्वाने
55.5.5	रे।विंक्'केर'र्देव'श्चेदे'र्ख्य'श्चेशार्हेग्रश्यदे'हेशप्यग्या'क्ष्यु'द्यंवे'
শক্তিশ্বাহি	
<u> </u>	चः ॠ८ त्देषा श्रायते र्च्चिते ५ यटः वीश्रास्य यववा यरः स्वाय रहः
<u> బ</u> ్రైవాస్త్రి:జ్వ	गै।देशक्षामुनायान्दा। देवान्यायान्ध्रिनायवे र्स्त्रेश
নৰ্ভথান্তৰ'নৰ্ভথা	पर्दे ग्वि दे र के द पर है। इस पर्दे व र दे व इस मुक्त भी बेव ।
<u> सुवादरा ही</u> सागुर	यहम्मर्ग मुं लेव प्रांत्य प्रेवा
বাদ:ৰুবা'বী	ग्रदःबग्रालेग्रस्टःहॅश्रात्रश्रास्यायुदाःचदेःस्र
यद्याः भेदः सः स्था	
क्रिंशगुःयद्याः	ग्र-:बग्'ग्रेव्'यदे'र्क्रेश'वेग्'र्र-'र्देश'व्रश'ग्रुप'यदे'क्र।
बेदःखःब्रा	
र्देव'द्रअ'ख'	दशःयशःयशयशःश्चा ।यन्तशःसःसुदःसुदःन्। ।वेशःनःसुदःसुदः
न्ध्रिंन प्रदेश्चन्।	यर्स्याग्रीस्यास्रेयायम्यात्वेशयास्य स्पर्याये स्वी
	व्याकः व्यायमासुदः द्याययाम्बद्धाः विवायितः विवादिः द्या
बःक्षुर्-तुःर्षेदः	वःश्रुद्रःपदेःवेश्रयायःग्राग्रशया वःश्रुद्रःद्यिद्रःपदेःर्र्जद्
ସର୍ବି:ଇଁମ୍ବା	अर्था भे पार्वेद 'या दें व देश दें दें प्रवेश के पार्वेद '
	य है विद यम ग्रुमद्र देव यदे । हैं दिव विगयन
শ্রী,পার্ন্ত,শ্রীপারী,অপ	८. स्याबाला । ब्रेसबासेटाडीरावाडीयायायायायायायायायायायायायायायायायायाय
	वर्षेत् क्रमान्द्र के भेषा या वस्ता । विश्वास्त्र

# **ુ**વાનકતે[ુેતાનેન

तत्।  प्रत्।  यावय्यावाक्षेट् स्वाप्तां स्वाप	ষশ্বদ্বদ্ব	क्रॅशन्तर्यतर्हास्त्रं स्ट्रियः
म्बर्या स्वीत्र स्वात्र स्वीत्र स्वाय्य स्वाय स्वय स्वाय स्वाय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स्व	1 ~ ′ '	
प्राविज्ञ मान्य मान्य स्वाप्त		
प्राविज्ञ मान्य मान्य स्वाप्त	হ্মাশ্বা	<u> </u>
म्बद्धः स्वापाञ्चेतः स्वापाद्धः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत	श्चेते दें चें चत	
यालक्षत्रभा स्टामी स्ट	रदःचलेत्रःग	दशःरेग श
म्बद्धः स्वाक्षः स्वावक्षः स्वतः स्वाविक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावक्षः स्वावकः स्वावकः स्वावकः स्वावकः स्वावकः स्वावकः स्वावकः स्ववकः स्वावकः स्वावकः स्ववकः स्वव	ক্রুশ্বংয়্যুম:গ্রী	१.रेगम् । ५५ म.चम.गी.भूर.५शुर.५८.मी.रेगम्।
यालवः ग्रामाश्चीः श्चितः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वापत	र्कर्'आ	
यालवः यावाश्चीः श्चितः त्राः स्वाः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्व		
प्रतिम्मा स्थाप्त स्याप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्याप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत	यदें व शुया	
हेश्-द्रयम् हुँ स्वाप्त्र हुँ म् श्रुप्त हुँ म हुँ म् श्रुप्त हुँ म स्व हुँ	ৰ্ক্ড্-মা	रिवाया रहे वर्तयर धेर क्या वहीं र अर्देव शुभावाशुभा धर व
स्ट्रिंट् याव्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था		र्रम्युम्पर्रहेष्यप्रिम्पर्
प्रति स्वा क्षेत्र विश्व क्षित्र क्षेत्र क्षे	ह्रेश्र'र्प्या	र्द्धवाम्बुम्यायायहेवावयाययायायायायायायायायायायायायायायायाय
गुःह्वा देशवशह्मशङ्गार्थं हिन्दा प्राप्त हिन्दा प्राप्त हिन्दा हिन्दा प्राप्त हिन्दा	ৰ্ক্ত্ৰস্থা	ইশ্ব।
म्वित्त्वा प्रत्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापत	ス <u>て</u> :動て:	শ্বর্ শ্রী দেশ স্ত্রু হ শ থ ম নে ব্রিশ ঘ ম র্ক্রি থ ঘ শ বিশ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ শ
मलकः धिःर्मे यः श्री श्राह्म । श्री श्री ।  मलकः धिःर्मे यः श्री श्री श्री श्री श्री ।  मलकः स्वार्म श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री	ग्री:ह्रग्रञ	
म्बार्म स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था	ग्रेन्द्र्	रटर्पटर्प्यक्षुप्य मुश्रुप्य पर्वे रहुं व्याया शुरुष्य (वर्षे रहे से प्र
यहरू म्ह्राचित्र स्वाप्त संग्रह्म स्वाप्त स्य	শ্বৰ:	
र्देश्चर्या श्रुप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रूप श्रूप श्रूप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप	শ্ৰশ্ৰহ্মশ্ৰী:	यशक्रे <u>ट्र</u> प्यर विश्वसूदशयायाय दिश्वात्र श्वातर्गेट्रप्य देश्वा वाश्वया
र्द्वान् अञ्चान वित्र श्री विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय	শ্চ্ৰ	रटःग्रम्बर्ग्याटः व्दर्भः याचेर।
म्बर्गन्यम्भुतः शुम्बर्भः उत्राह्मयः स्वाध्यायः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः । स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः	র্ক্তবাশ্বা	
म्बर्गन्यम्भुतः शुम्बर्भः उत्राह्मयः स्वाध्यायः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः । स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्धः स्वर्धः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः । स्वर्यः		र्देव:न्यः श्रुपः चेन् ग्री:चयः यशुरः न्यः ग्राप्त्वः स्वेगमा
हेश्रप्यमाञ्चेतः वियायदे छिन। स्या	শ্ৰহ শ্ৰ্ম	
	_ ' ' -	
l l	, ,	





ক্রু'মর্কর'মর্কর'	त्रवःवेशःग्रीशःमञ्जमशःयःशुःचरः घय। भेषाःवेशःग्रीशःर्देवः।
মর্কু হয় হা মর্য্	न्यायमान्त्रम्यायाः स्वायते स्वीम् । स्वाया
ই্বিঅশ্বস্থী।	
বেগ্যথান ইবি-শ্রী	यःश्चिःह्रमान्द्रसःळॅसःउत्। स्टामीम्मस्यायानुःसायासानुया
	यर वर्षा क सेर धेर परे छैर सुन्
दम्यायाईं द दर	धुःगुःर्केश उठा स्रूर । यदः स्रु । यदः वि । यदः वि ।
वर्देन वर्हेन ग्री	यन्गाकृन र्विया बेब यदि खेर सुरत्।
ञ्चून'चेत्'चञ्चून'	क्ष्रिं र प्राप्तर प्रवित्र श्रीकाश्चाया या वा वा वा का प्रताय वित्र श्रीका
J.ZZ.MQZN.	मुयायमाञ्चयाभीतुषायमाचया देग्नादेषायाञ्चयादगादा
ঘরু হার বিশ্বর বি	श्चित्रायम् सेत्रायदे द्वीम। स्रावा
र्दे'र्वे'यद्भित्य	धुःमुःर्केशं उत्रा यदेवःयरं सेनःदी यदेवःयरः शुयःयदेः
गडेग:रु:च्रथा	गुडेग'र्र'रु'अ'ग्रर'रुवर'अ'शुव'यवे'ध्वेर। र्धेर'रु'
	गञ्जगश्यक्रवः यत्वेव।
कु'ल'दर्धिद'य'र्हे'	धुःगुःर्केश उव। देव द्रभायर क्रुं या भेद दे। यदगद्र
हें या बेया श्रा	गवर दरमही मार्ट कुं भेर यशगुर भे क्री नदे छैर
বর্শপ্র.ল.	धुःमुःर्केशःउव। र्नेवःत्रयःयरःश्चेःयःयेतःते। रटःश्चेतेःतृशः
न्धिन् यः स्पन्	शुः विदःयाद्यः ब्रोदःयावादः व्यदः द्वाद्यः विद्याद्यः विद्यादः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्याद्यः विद्यादः वि
भेदःश्चे त्याँग	म्रीमः तिकायार्थे।।
यादीश्रायाः	धुःगुःर्क्ष अवा र्वा र्वा नियायमा अः क्षेष्ठेष्ट्रेष्ट्र वार्यमा कुःतः
र्चेंद्रायासुयवि	यस्य त्वरात्य केता दुः या वादः यदः से स्रोता कुः वादिवा वीसः
क्कें खर्वीय	वन्नशतुःगर्डग्'न्ट'तुः स्राधीः श्चेद्रायदेः ख्चेद्र। न्येदः त्रः स्राधीः
	यन्मागुः तुः यत्ने द्वा स्वरं।।
<u> </u>	धुःगुःर्क्षशःउव। ग्राटः तुः श्रूटः यः देवेः स्टः यविवः ग्रीशः श्रूटः श्री
र्घे हेत्र वर्षेय ग्री	हेव यहेव प्रेम प्रमान क्षेत्र प्रमान
শ্চিব স্কিশ্ৰ	बेब पर्दे।

হাস্কৃ	५५७२८४८६४५१४१४१५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५५	
বল্লম্খ্যমন্ত্র	गञ्जम्बः र्सेम्बः ग्रीः नृद्दंबः दें। रेस्स्म्बः प्रदेः सद्धः	
মন্তম নাৰ্যা	ग्वमामी शर्केश के दाना विमाश स्वरे कें के दार विमा देवे	
न्द्रंशचितः तहेषाः	कें व्यादायायायाय अवसम्मान्य विष्या में स्वाद्य स्वाद	
मैं र.घल.घ।	यायश्यान् भेगवायये द्विम । नम्सिने मानवा	
नि:क्रुस्थायम् वी:स	क्ष्यः केरः ग्रीसः श्रुचः प्रदेः ध्रीम। ह्यासः विस्त वर्षे प्रदेश वर्षम्यः ।	
বিংমক্ষ্যামানুষার	र्ह्मा उठ्या नर्द्रमार्चे देश दिना क्रुमा व्या ने न्या स्मार्चे ना	
ঝঙ্গুমান্ত্রনাম্বার্ক্ত	मेर्-पर्ने हिंद्-ग्रीशन्त्रकायायकाम्बन्नात्रः मेरवन्यदे हिम्।	
बक्षुर्'यरेक्'य'	ग्राञ्जनशः क्रेंशः उत्रा देवः न्यः न्यें नः प्रतेः नेग्रशः प्रशः न्युनः	
ইগ্ৰশ্মন্ত্ৰিন্দ্ৰন্	वर्बेर्फु:वया वःक्षुर्वित्रम्बादाः इत्राचीकाः यः क्षेत्रायः	
বর্জিব;বু:ঘঝ:ঘা	५५५ क के ५ मार्थ खेर है। दे र र वी अर्डक के ५ ग्री क सुवा	
	यते'स्वुम	
र्नेव'न्य'यदे'ङ्ग्री'	यहम्बर्शन्त्र त्र कें वायते सम्बर्ग स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर	
ব:গ্রী'বিশ্বশ্বম'	र्शिले त्रा र्देव द्यायते क्षे या धराय विषय मान्य मान्य मान्य स्था क्षे ।	
হল'না	ब्रियाबाग्रीबार्धरायबाबी विवाबायर वया देख्र र र्सेट्	
	त्र ^त ेत्रग्रीसम्बद्धाः प्रदेशक्केष्ट्याः स्वाप्त्रम्	
後が、ままれいエニ	गट हूँट य केट ग्रीका केंबा क्रमा हूँ ट यर भी छेट हो। केंबा	
चलेव ग्रीश ह्रॅंट	इस्र के दे के दे ते दे ते के	
तर.यशिटश्र.त.	विशक्षेंद्र प्रते रद्धेंद्र दु मुश्चर श्राप्य भ्री तवत् प्रया वया	
<b>মি'বর</b> হ'ঘম'	র্ক্তিমাস্ক্রমমাসদাদী মর্ক্তর দ্বিদাশী মাশ্রমাশ্রমাশ্রমা	
হল'হা		
エニジェル	गिले गिट में स्ट्रेट र्ड्डिट या स्टा के दार्ची र्दे वार्क दास्या गुटा	
बैक चेत्र पारा कुर्य शाय दे भेदा वा वा दे ने सुया सब शाय दे का या माने वा प्राप्त माने का या माने वा प्राप्त म		
यते ⁻ क्कॅं तर्देग्रम् क्रें के के देन या		





	विविवादायी हेट र हें दाय र दिन र में र विवाद विव
बिव चित्र प्रायानुस	ब्रागुटाम्बि:दे:बुव:अध्यायदेव:यरःबुव:यर:वहेव:यदे:र्बेु:
वर्देवाश्वादाः भ्रीविष	מ'חן
55:र्नेबा	गुवःहेंचःचरेवःय।
देशर्देवा	र्देव:५अ:घरेव:घा
५८१५वाशीयर्	र्देव्यन्यस्थेवयाविषान्देशस्य वर्षः वर्षः म्रहेवयावे सद्
	<u>५ च</u> े'न'श्चु'है'प्रवेन'य'५८'रे'श्चेन'य'ग्नेश
इट्ट्रॅब्खं	१६ॅ व.मी.स्याचे स्वासाचे व.क्षेत्रः भ्राप्तरः स्वासाचे व.जंसः
ঘর-বুদ-স্কুঝ-	वान्वर्तुः त्रम् व्याप्यमायक्त्रायात्म्। १दे विवादिक्षेत्रः व
শক্তিশা	<u> </u>
	55.2 मुंबायर वक्ष राया
देश दें व श्री अदें।	र्ने ब न अ न ने ब न न न न न न न न न न न न न न न न
	('श्रेव'ग्री'यित'यर त्याय विया'गी'रेख'श्रेय
	र्देव,रेश,त्रम्,बीय,ता लट,रेब,त्रम्,बीय,ता वेषेश्रिबंब,
	<ul><li>५.तर.भ.वर्। १४८. र्स्थ्रक्थ. बीच.त्रा ४८. पर्षेष्ठ. बीच. बीच.</li></ul>
	बुवाय। रहावी अळव के दाची अब्बुवाय। रहावी यह वा के दा
ŋৢঌ৽য়ৢৢৢৢৢয়৽য়\ <u>ৼ</u> ঌ৽	र्षेट्राङ्गराक्ष्या १ स्टामी सर्वित्र हिट्रामी स्वास्त्र स्वास्त्र
	ग्रवम् वस्य उत्रविष्य द्या विष्य विष्य विष्य विष्य
,	भयानुः श्रुपानाश्रुभागानुर्देशार्याधीताय। ५० ५० तेन्त्रार्देवाभा
	ग'तर्हेग'वुस'यस्भेद'मेते'त्यम्बायस्भेत्'मे 'यद्या
বন্ধুষাগ্রী'মন্ত্রমানা	वया:बया:बेर्'सर्चर, दीशातर, कु.बुरे.कुटुं, जर्बे, य.कूँया:तर.

म्बर्भान्नायरे प्रवास्त्रवास्य विश्वस्थानु स्वाद्य । प्रवाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य

म्बिरमेर्ग्यूरंदर्स्यायम्कम्यायर्भ्यम्बिरवर्द्धम्'केरधेर्ग्युर्म्यानेस्यायुर्

यः वर्ष्य कर्मे स्वाका अर्था । तर्ष्य कर्मे अर्थ अर्थ वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर ग्री:दॅशक्शमुवायालेषा:र्क्षरा:अशक्रेत्रया:स्यादे:र्क्र्याम्यान्यःरे:र्देव:तुः वर्देर्-गुर-र्र-खुम्बन्ध-व-दे-भ्रे-श्रे-श्रे-ति (क्रिंब-स्रे-अर्-श्रेट-गुव-म्बे-द्र-र्-यदिशः ह्रेंद्र यदिते हेर्ने व शर देवा या अयि विषय द्याया द ঀ৾য়৻ঀ৻ড়৾৾৾ঢ়৻য়য়৻ঀৢঢ়৻য়৾৻৾ঀ৽ঽয়ঀয়৻য়৾৾৻য়৾ঢ়য়ড়য়ঀঀয়৻য়৾য়ৢ৻য়৾৻য়য়য়৻ঽয়৾ৼৢ৾ विषायाधेवावावव्यावेषाधेवायावाया १५६५याचे त्यावविषादार् हेर्याचाया सराशुरायते हें गाया धेंदाय। १^२ हेंदा हेदा हें गहा सा से हिया यह से हिता से सिंह के दिल्ला से सिंह के स्वार्थ के स हगार्शेयाश्चर्त्वाश्चीर्द्रात्रायद्रेशायराहेयाश्चर्यते द्वयावर्चेरास्रद्वा स्वर्त्वा स्वर् यः १८४८-५वा सेट्रगुट्रायुवा संद्रास्त्र स्त्रायुवा यदी ह्रिव संगुक्ष खुवा उत्र ४८ हिट वर्षियात्। १६वलावर्षियात्रस्य भेटार्ट्स अञ्चायपुरायमारी तीलाक्ष्यायस्य गुं नः र्खु वः अध्वः अदः नः अदः गुंदः न्यु वः नुः नुः वः व्यवः व्यवः गुं वः वाववः भ्रवशक्षि १०वर्वः वह्नं वह्नं वह्नं वह्नं वहित्या ११वसम्बद्धायः स्विनं वह्नं व छेट्रस्क्रिं हें वाबायत्या हें वाबार्खेट वाट उट वोबा विवाय। ११वेबायर शुरायदे विशः क्षेत्रा येदा केदा क्षेत्र प्रदार स्वदा सुदा के दिश्वेत के स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत् য়ৢ৾৾৾৻য়য়৾৻ড়য়য়৻ঀ৾য়৻ৠৢ৾য়৻ঢ়ৢ৻ঽৼয়৾য়৻ড়ৼ৻ঽয়য়৻য়য়ঢ়য়য়ঢ়য়ৠৼ৻ঽ৻য়ৢ৻য়ঢ়ঽ৾৻ড়৻ वस्र स्टर्गुट देर प्रभूष। ११ हें द्र श्रीय बर्पर श्रुट श श्री द्र श्रीय र्श्वेद प्रवि अर्थे र्स्न अप १८८ अव त्यम र्श्वे अर्थेद की अर्दर पे प्रत्व प्रदान विक्र पर्दः विषा अदः भ्रायमा भ्रायम् अप्याना विषा या विषय । या विषय मेर्पा रिव्यमानुदेः श्रीवमाश्री १५म् मान्यामी मर्मन मिना स्थाने माने वर्देन्दाकायोः विकार्केका क्षुद्राच्या व्यवस्था क्षुराया विकार क्षा विकार का विकार क <u> २८.ट्रॅशक्शश्चित्राचेदुल्याचदुःङ्गटाचङ्गश्चश्चाचेद्वागुटादेगावदायः</u>





ଞ୍ଚ୍ଚଟ୍ଟସର୍ଟ୍ର କ୍ଷ୍ୟୁ ସ୍ଥର୍ଗ୍ର ପ୍ର				
1 🛪 🗸	यमञ्चीदे सेतु सेम			
		ট্র-ঘর-মর্ল্র-র্ম্বর্মন্ট্র		
1		वेग'८अव'ग्री'श'गढ़ेश		
ෂු තුයි න				
	शपकुर्गीरेखः			
(वियाबादाः ही साया श्रमः ही त्यसः	৻৻ঽঽ৾য়য়৾ঀৣ৾৻য়৻ড়৾য়৻	ব <b>ৠ্র বশ</b> ্বে হে'র্ন্র হ'বরিং		
चर्च दर्जुवायदार्येद्।)	, 1 1	1 1 1 1		
<u> </u>	<i>বৃ</i> ব-র্ন্থ মার্ক্স মান্ত	vI		
रेग्र्या भी	त्रवःर्वेशःर्श्वेरःयमा			
বক্সব্যথন শ্ব	ক্রীব-রিমাখ-রেমাখ-র	પત્રે ત્યસા		
মর্ভ্রমের শ	कुंव:कुंव:ल्याश:ग्री:			
यश्यश्यदेश्या हिर.दूर.ग्री.पर्वश्र.वी				
वर्देन्'कग्रम्द्राञ्चयायदे'श्रा	द्येर'भ्रे'दॅट'मी'दन्	୬'ପ୍ର <u> </u>		
चुकायाहेँ मकायवे का	<u> ব্রা'নইম'রী'নর্</u>	ନ.ଥା		
エニ・マニュ (単一) (カー)	रट.क्चिल.क्ची.जन्ना			
यम्ब्रीदे सेतु स्री				
मर्कें व मर्क व केंद्र		à à à à à a a a a a a a a a a a a a a a		
यमा (ये ने मा मर्दे व हैं।	(धे:वेका अर्देव:ह्रेंगका धर:वा देका			
वियाया अविवाया) विवृत्यी				
	<del>జ</del> ేశాబడి:మెష్శా	বন্ধুদ্রানী বন্ধম্য দ্রান্তর্ভন্ত		
हेंग्रां के त्या श्री अर्जन वित्र श्री का निवास के निवास				
क्रिन्द्री (यद्देःयाक्षेत्राः क्रुँत्रायह्मा भेत्रः न्ध्रम्।) यमः नुः लुग्नम्।				
	গ(র্ক্জ্মানাস্ক্রমেন	ฮะเซ็นเมิเฟลฟนรูสเ		

## **ન**ુવાનક તેરિયાનેન

(ਬੁੜ'ਧ'ਲ'	ग्री:केंग:र्ने द:गार्	টেই-ইৰ্খন্যৰ্মানীৰ	भेवःश्लेषःय। वेषाकेवः
মহ্বর্য)	हेंग्रबायबादेः	~~ ·	यम् ५ ख्यामायदे स्ट्रा
र्श्वेर यया	र्देव अर्देव हेंग	শ্বা (বাশ্বহ:ম্ব:গ্রী:	क्रॅंट केंट्र ये द्रिया शर्य दे
(字刻:	र्देव यद्या भेद	'ন'অ'ऄॣ॔॔॔॔॔ऒॹॖॸॱॺॏॺॱ	ञ्ज्ञायार्चर क्षेत्राया
वहीर्कः	हिंगशपशरी क्र	45'5(1)	
सञ्चर-५८			
देशःवचुदः			
<b>এই</b> কেম্ব			
মর্ছ্র্য'ঝমা	यदेव'य'अर्देव	'र्हेग्या (घरेव'य'	ब्रेंद्र'य'तेद्र'हेंग्'य'द्रद
	बर्देव:शुस्र:५:४	अर:5:हॅग अ:घ अ:दे:	ন্র্বানহ'র্ক্ক্রান্ত্রীশমর্ইর'
	<b>¾</b> 5'Ť[])		ผูมรู มรัราว
	(बेगाकें क् 'के	हेशया अर्दे व हें गश	क्रिंद हेद सदेव शुम्र द
रियाश्वरायदे व	<b>(A)</b> 判 下 N	(यर्व'य्यस्व'्रुअः	भव्नद्रायायाञ्चरायादा
	१दे क्वें त्र शक्रें द	5ु:हॅग्रूश:बेवु:पर्दे:	র্মুমশ্বেম্ন্রশদ্
वितृ सँग्रास	<u>^</u> '	ह्रेशःशुःश्चरःष्परः	यदेवःवहेवः ध्रुवः श्रुवः
বর্ষীর্ ব্রমশ	_ '	র্যামধ্যমের শ্রীব্র	गट सद उद परे
শ্বরে.প্রশ্ন	१दे:क्वें'क्र्याष्ट्र	हिंग्रथायश्चर अन	<b>न्देशमानेब</b> चिन् बुश
ঘম'বেল্বন্থ	<b>(</b> )	ٳػٚ _ٳ ٚٳ)	ΣΫ́
0.25			
म्राङ्गियायमा	<b>.</b>	विषापारम्याकाः	क्रूंद्र ते द्रायाञ्चर से ख्रद
' -	শ্ৰ'শ্ৰ'ৰ্ক্তম্	वर्षेत्रयः अध्यः श्रुषाः	নর্ম-র্জুঝ-গ্রীশ্ব-মন্ক্রম
ব্ৰুষ্ম্ম স্থান্ত হৈ	_ ' 🔏	यदे अर्दे व स्वा	ঘম'নৰ্শু'ন্ৰীৰ'ঘ্ৰী'
'~'	์ สีฆ.ฆ.๗ฆ.๔๕.		८८ वशहे क्षेत्रपदे
पश्चित्राकेत्र'	' ـ ـ ـ '		কুঁঝ'শ্ব'ক্ষম্ম'র্ম্মম'
ঠিবাশ্বশ্ব	' ' '		बेर्रायम् अर्देव सुम्रानुः
শ্বীত্র থেকা ব্র্যুত্র	N' <b>ス</b> 'エエ' <b></b>		ম্র্রম্খ্রা

#### નુવારાજ્ઞારાહ્યું કુદ્રિક ∍(()ને(જેનુવારાજેનાને(નુવા(૪૨૨)ઇનુવાક્રેન્ 🎇





ग्री:भ्रें:श्रॅंच:र्वेव।	)
3 6	-

यरम्'भेर्'यदे'र्देव'य'क्केम्डिम्'हु'अतुअ'यर'यत्म्'यदे'अर्देव'र्हेम्ब'र्रे सद्याम्बनायो विकागी सस्त ति । र निकामी स्वापित नर्रेशमहेन्द्रचेन्द्रप्रेशम्बर्भम्यन्त्रम्यन्त्रम्यम्बर्भन्यम् क्ष्मिंशः श्रुरः याते श्रायतरः अव्यापावमा ५८ हे शः श्रेतः द्या स्परः ग्रीटः। यर करः बेद्वायाद्याद्यास्य अर्थेदार्चे।।

রথ'ব্যুম'নবি'থ্যবাষ'গ্রী'ন্ব'মম'ম'থম'ম <u>ি</u> প্ত'র্মবা					
অপ্স.দ্রা		রুহ:শৃষ্ট্রা	원도'의		
র্কুমার্মার		कुर वर्षेट केंद्र में।	श्रम् नुदे श्रीय पा से न्।		
र्श्वेर यथ।(८८ संग	શુઢા	<u>5</u> 51	(घरेव'यहेव'अर्दव'शुर'		
यःकुटःवन्नेटःकेःगङ्	jay: <b>द्रे</b> :	<b>डे</b> बॅं।	ঘ'মর্गী'শার্কীর'ঘ'র্ডম'ম'		
<u> ऍ५:३८:४४</u> ४४४४४	'के'	ঘর্ষ্র্ব্য	বার্দ্রবাশ শ্রহ ন্ত্রবিং শর্মার্মর ।		
🕍 ব : ইবা : ম'বা ইবা 'র্বা	(l)	র্ক্তর্মান্তর্ম	र्श्चिद्रायाओ्डर्।)		
মর্ছ্রনেমা	ঝন্তৰ	u' <u>ই</u> শ'মান্ত্ৰশা	भर्त्र अंद्र अंदर्		
শ্র্রিম'ঝমা	\$7.4	5 <del>8</del> .87.1	क्षिंयःश्वरःकेतःयदिःकेतः		
(घर:ऊर्:भेर्			ৰ্মা		
यस'न्मु'र्धेन्'य।	₹ <u>7</u> ,4	दुवै'वर्चिद्र'।	क्रेवॱदॅवि'वर्षेद"।		
म्ब्रिंग्ययम: क्रुंगः मुँवाः	\$\frac{2}{5}\tau_{\frac{1}{5}}	<b>5</b> दे के <b>द</b> ें।	क्रेव चॅवे क्रेव चें।		
শ্রমান্দ্র ইশার্লি	दम्भ	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~	वर्ष्चिद्रः में । केंद्र हों।		
वि:पक्तप्रदे। दें र	दम्भ	रमीयबैदा	यम्रीयम् ।		
हिट वीश्राद्रहरू	दम्न	रमी के दार्य।	वर्ष्चिद्रमी सुदः है।		
यदे दे यहिष्ट	केंद्र दे	र्वते सुर।	<b>कु</b> द:दुवे:केव:द्या		
र्ह्सेय यस प्येत यस	केंद्र दे	র্থিক ব্রহণ	कुट:दुवै:वच्चैट:।		

# **ુ**વાનકતે[ુેતાનેન

<b>š</b> iį)	केव दें विक्र	र्भे।	<u> </u>		
भ्रःश्चेंचःजमा	बर्'भ्रे'क्रे	यदिः धेः नेशा	র্কৃব:শ্রুব:এখ:শ্র্র্রিঞা		
	1 1	विदे सेतु सेग			
स्यायनेवा	৴৴য়ৣ৻৸ঌ৸৻৻ঌ৾ৢ৾ঌ৸য়ৢ৾	)मालव र्पर र	মুম্মের বিশ্বশাসভ্রমানী		
न्वे'वा स्वाप	রুঅ.ফ্রী.রুঝ.অরুঅ। -	୯ଶିୁ≭.ଅଟ୍ୟୁଷା.ଅ	 		
क्या.चक्रवायाश्रु	આ				
गुवःदबृदः	रट.उच्च अ.क्य.च	<u> नेत्रञ्जे</u> द्रायदेःर्हेब	'র্মুমেরম্মর্মার্ম		
यदेव या	ग्री:यशम्दार् देदार्य	র'বসুর'ব'য়	न्चे'व'र्लेव'र्बेटश'यदे'		
			रमित्रेश् दरधिया इ		
		/ / _ • !	'या प्रश्नेद्र'व्यवस्याधिवः		
	a= '	'वस्त्रागुं'यश्	भै'वार्षे'चदे'षश्र' हे'वाशुभ'		
~~~	<u>  ₩5;</u>		~ ~~~		
वर्गेषा यदेवा	 	,'यस'यर्'ब्र'य'यह	देव'वब'र्घेच'यदे'र्बे'र्बेर'		
	নদ্ৰাশ্বৰ্ণীয়	~~~~~	~		
यस यहे वा			(清報·本本)		
यदअःचुशःयदेःदधग्रशःयदेःअर्देवःह्ग्रंगशःह। ५च्छेःव। अर्वेदःक्क्रेंग्रंशःक्ष्रंवःवय्यायदेः अर्देवःह्ग्रंगशःह। ५च्छेःव।					
タガン型のの辺			2		
	यदेव यति य स्वा				
श्वाप्तर्वा	गुवःदब्दः।	•	यम् यहित्।		
	भूग'पश्र्याकुं'भेर	वर'य'सर्'या	वर यस से द या		
ह्याया	<u> </u>	<u> </u>			
	कुःग्रेगार्वे'त्रशः कुःग्रेगार्वे'त्रशः	ৰগ্'নভশ'শ্ৰ	यन्त्रासिन्हें त्राह्म स्वरं		
קימיבקיבן	24.11	BZ. ZIZ. W. BZ.	^ '		
<u> </u>		7	अंत्रःय।		
ম'শ্বহ্ম'ন'	र्यरः इयरः इयरः इयरः	क्यानक्षामु	অম'য়ঽ'য়'য়য়		
यःगर्डदःय।	गुै:र्स्तुदे:ग्रॉफ्:यःक्ट्रॅंड्	विर्प्तरायागु			





1	บ บาร บาร	र्वेसपा			
यदमाः भेदःषः	<i>रट</i> :चबेब:हग्राःथ:	হ্রমান্যান্	ব'মী' শ্ব্দা'নশ্বথ'গাদ্ব'ৰ্ব'		
1 1 1	গ্ৰহাস্প্ৰহাষ্ট্ৰ	ই্শ্বামামীর			
	मुग्रायमः यहिताया स्रो	1 1	- ' - ' - ' - ' - ' - ' - ' - ' - ' - '		
दहें तथा	91 * * * 1 * 1				
	নইৰ'নৰীই'ছিদ্	ৰ্ক্ত শ্ৰন্থ কুলাৰ্	गे'न्दे अंग		
श्वायदेव या	गुन्नःवहुरःवा	दर्वेषायय	यस प्रति व स्था		
शेःह्रमःया	型	বর্ষাবা'বা	অমা		
क्या.पर्रात्र	गुन्दबुर।	बे'या	रेग्रज्य।		
क्रॅंट'या	보고'흵	গ্ৰ-ব্ৰ্মা	श्चेत.ता		
यर्गासेर्'या	ক্ট্ৰব্য <u> </u>		देशवधिव।		
রঝ'বেলুম'বারি	<u> যুবাঝ'ঝ'র্ক্কর্ম'শ্রী'ন</u>	नग [्] भेन के हें	रायाद्या वाराचवाची यदवा		
बेद'वे'यदग'बे		11 11/			
गलक ग्रीख्याका	אן אביקחביי	বর্ষ:বেশ্ব শ্ব	रचॅर्दरर्देक्षं बर्दर्रु सेर्प		
			वन्याः बेन् प्यदेः न्त्रं न् न्त्रः प्रतेन		
Z'55' X5'5'	বহ'বঐ'ব ্ শ'ঐ	र्'य'यर्ग'भेर	('८८'। ४८'८घट'घठे'घ८ष		
गी'य'सेन'य'र्ह्हेन'यदी'र्नेन'नु'यत्नेन'य'गिनेश'ङ्गम्।					
1 প্রথাব যুক্ত নের প্রে বা স্থান স্					
বর্দ্দির মহার	বসু শা	٦ ا	মেমার্কান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্		
श्यायने वा	यदेव'य'ग्वव	গ্ৰন্থ্যা =	वर्षे वाया विश्वास विष्या विष्या		
1935	クマデス・あっし	্্য	किंग्रां वर्षेत्रात्रस्य वर्षः		
१वे श्रूट ।	१वे:इट्।		वशक्षायदेवायाद्याः रेत्रः		
३८:कुवा	३८:मुला	ব	विवाग्रुअयः यात्व वार्यः होः		
८म्र देश द्या	८म:र्रमाया	5	दुषा हुद्।।		

ીવાના કર્તા કુંગાનું ન

(કે:ર્સેંગ્રા	(बे:र्क्स	মা			
८ ८ हेग सु	(প্রু'ন	'सर्केषा' यहित्			
নুপ্রহ্ম-রৌ	^এ র্কুঝে	এই এ.পছুৰা.ড	हेंबा	(¥ゕヹヹ	শ্দর অ'ব্যব্যথি
ব্রুঘ্রমের্ক্স্ক্র্যা	_ ^ . '-	রী বর্ষুপ্রশ্ন	া খ:ৠ	_	भषाूश्रुद्रश्रायः दर्देः
<i>व</i> हेंब ;	यत्रेदे			_	.तद्.जीयाश्वाजाञ्चीर.
৫র্জ্ব নম্বর	(হামাই	N'उ দ 'অই্মঝ'	ゴタ.	えて'ロエ'を	ध्या यहिषाःस्रेदेः
अर्केषा यहें वा	মর্ছ্র	श्चरः में प्रविदे।	1)	न्भेगुबादां त्यां भेगुः र्सेग्वाबार्सेन्	
१०वेंवाःस्र					र दुर भे त्र
	_	'নই'শ্রেশ্বশাসী'	ষ্ঠ্যস <u>্থি</u>	रक्षास्त्रस्य	
বর্ণীর্থ মার্থ মার্থ মার্থ	201	মান্ত্ৰমাশ্বাস্থ্ৰী:	1,		य पश्चायायाय मिंद
दहेग:स्रा		রর'নইর'			दे:दे:खू। (पर्झेसशः
প্রহ.জ।		याविंदाविंखा			रा देन्द्रेन्द्रेन्य्यून्सु
वर्डेड:क्वाबा वार्डेवाबा		न्त्राखेः प्रशास्त्र अस्त्र स्त्राच्या क्षेत्र प्रशासकार स्त्र स्त्राच्या स्त्राच स्त्र			
ट:कुवा		यदःदेख्।	- 6	=	मुनःश्वरः योः ख्याशादेः
南东南			,J_		32.27.89nl)
ম:ইল্যা					
ষ্	।'दशुर	'নই'শ্বেশ্বশন্তী'	चेया केट	रश्यकार्	3:भेग
		'	'	'	'
વસા	क्र	ম্ব শ্বিশ্ব	শ্বর-ই	iz'i	37.3
र्क्षेग्रस्थय।		यम्रीय के।	র্মীশ্বাহ	াষাৰ্গ্ৰীন্	(क्रॅग्राययायायाञ्चर
		,	শন্ত্র:হ	र्ग (ब्र्रीट.	चुदे क्षेत्र य से द्
ब्र्रिंग्यया	551		_	्रेश'सर्देव'	गुवःर्वेवःग्रह्यः
(र्श्चिम:यसंग्रामि			शुर:प	ামর্কী	क्रिया
यःकुदःवर्द्धदःकेः	क्टें	1	गर्वेव	<u>゚</u> ヹヹ゙゙゙゙゙゙゙゙ヺ	₹श.विट.धबेट.
गशुअः देः व्यन्।			অহা:হ	गर्चेत्रःश्चेंदः	क्रिंग





	বর্জ্ব হা	य भेत्रा)	इश्वदें द हें गया
	केंश्रामकेंग		নদ্ৰাশ্বাহার
			हेंग या
মর্হ্রমেমা	মর্ন্থ্র মেমান্দ	<u> </u>	शर्बर इर। (बर
(রুবা,অর্জুবা, পূর্বা	अतुअ'हे्ब'	(इस्राय १८ क्षेट	শ্ৰীশ্বাস্ত্ৰ দুৰ্
वर्बेर् केंश वेश	ব্যক্তিশন্দ্র ।	मुन्द्र-भाद्य-संदे	নমুনান্ত্রী সাম্ব্রী
美利四萬万美利	মন্ত্রামান্ত্রা	म्र्रिंश लग्ना मुंद श्रूट	र्द्धवार्वेदानुः र्वेदा।
विश्वायविः ह्री हीः	याचरक्र	वी:नवींनश्राचंत्रः	
शक्त्रश्रायतरः	बेद्रायम्बर्	यहर स्र्रिंट योशेर	
रे'सूर'सु'यश	इयार्च्यायायमा	ब्रेट:र्-र्-श्रेब्यः	
নম্ভ:ব্ৰুশ্)	गहैश स्प्र	गश्रम्भःभिदःहेदेः	
		<u> यह्याःद्वेगाः</u> हत्दः	
		मेर्यमर्चेम्।	
क्रिंग्यया	<u> </u>	१५३ से ५।	क्षिंगश्चर केंत्र चिंदे
(ૹૣૣ૽ૼૼ૱ઌ૱ઌ			ळेवॱघॅ।
মন্ত্রা 🖹 শ	कुट:वर्चेट:।	१वॅ५ चे५।	क्रेव र्घेद र विद्य
বান্ত্ৰীশ'ন্দ'।	कुट:दुवे:के।	५तॅ५ तस्	क्रेव रॉवे कु ८ ५ ।
মন্ত্রস'বানুবা'ঝ'	वर्षेट्यी सुटा	५श्चिरश्राद्य	दम्दारकी केंद्र में।
यर:कर:भेर:	यम्चैद:यम्चैद: _।	८भट्टब.बीरा	दिन्नेद्राची दिन्नेद्रा
यम्प्रद्भम	वर्ष्चियः भी के।	るまと、製工、1	वर्षेटकी सुट र
मुँजायमामुहैश	केव रॉवे कुट हा	रक्षेःगर्धेःया	अर्थे र सु र ह र क्रें र
लूटा झूंश.झट.			শ্ৰুম'ন্দ'ন্গ্ৰীঅ'
শ্ৰহ্মসন্মানী:			क्रॅन:रु:वेशक्वेयः
वर:कर्:भेर			कें कर्रों श्रें र १
विमार्खेद्राया हैं र	ळेव'दब्चैट'।	েঝবাশ সূত্র্য	প্রশাস্ত্রীবারেল্রীদ্যা
हिन्दा के ज्ञान		1 1	

ી વાના કરોડિયા ને

ঘর-র্মুন্যন্ম			रग्रायाद्याद्या		
\[\z\ \equiv \e	3 .		वर कुट द स्क्री		
क्रथासंबिक र्वे।	'				
भ्रःश्चॅ्रियःयमा	गुन्रसिन्धे	११गुर्इ:हःवेंद्र।	য়৴:ঀৢ:শৢঽ:৻৸ঌ:		
	প্ৰাৰ্থ না		र्शेय;		
	1යපුදු යුදු දි	<i>ှ</i> ခါရာ			
Amirimatari			X (Y (1		
	ସ୍ଥିମ୍ୟରି'ୟସ୍ଥ୍ୟପ୍ଧା ସ				
ञ्जूषा सोद	रट:क्रुट्र:थ्रुज्:ग्री:घेग:८स	<u> </u>	·		
굀도'교도회	पर-बुद्यायते भुद्र- १८८ हा	'हे। यद्या	विषा पर्दे शुन् राष्ट्री शुन्		
	वित्रार्से ।				
ন্থ্ৰন্য নত্ৰ	মন:ক্কুন্:শূক্:গ্রী:গ্রিকা:নুম	ı ୠ ୕୳ଐୄୄୄୣୄୣୄ୷୷୷୷	·ଞ୍ଚ୍ଚମ:ସ:ଧ:ଶ୍ୱସ:ସदे:		
শ্রুদ:নেদ্র	श्रम् अम्य श्रम् । हिंश विष्य प्रति क्षित स्थि क्षित स्थित स्या स्थित स्थि				
বর্ষান্ত্র					
केंग्रा	व कें अया ज्ञुया अर्गी क्रुराया है				
শ্ৰুশশ:শ্লু	মহম:গ্রুষাকী:ৰুষা:মিদ:ধ্	१८-दी या यह ग्रह्म	पदे भुभाग प्रचे क		
	विद्रशङ्खुयः गतिश				
विंद्र श्रिंद	ইঝ'ঘ'ঐ'ঔ্ব'য়ৢ'য়ৢয়	गःभ्राभधरःश्रम			
र्हेगशःभु।					
श्रुपःश्रु।	देशपाकृप्ट्रिक्षेकृपि	ই'বাৰুবাৰ্যস্কু'মগ্ৰ	×:ধ্বন অৰ্ছ্যঞ্জী:মৰ্ক্তনা.		
	में श्रुव सुमासुमा				
क्रॅंशःश्ली	गरुयःचुदेःर्घटःवेशःगु	<u>:</u> ફ્રેં ન્'લુવ'વગ્ન	ていたいない。 		
	ฃ๊:ৠฺๅๅฮิ:ན་རོ་བོ་རྡིད་ৠৢ <u>་</u>				
र्दे र्च के द अ					
ल.चेशक्र्यःश्ली			त.भवर.विष्.तपु.लु.		





नेशः

वर्नेराञ्चराया वर्ने उम्रावकर केट क्रम्य माम्रोवेर प्रायम । निर्दास माम्रोवेर वित्व त्व क्राय है। विवृत् के वृञ्च द्याय र ञ्चाया अदार्थे द ग्री। विवृत द र देश विषायाः कुरारमा क्षमा । ज्ञामा केषा । र्यो व र्ज्ञेया २ करा कि व स्मार्थिया । ज्ञामा केषा । ज्ञामा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा केषा । ज्ञामा । पदः मुप्तः अवदः म्बर्पः मुक्तः बेवः अक्षेः हो। । म्बरः बमः कुः अर्क्वः दहेवः पदेः मुरः र्दात्व । यदी र त्येंद्र प्रये प्रयापाय द्या वी शार्श्व । । यु प्राच द्या प्रयो स्था नगर-डे-व्यन-नेमा । क्रें-रवमागुन-नृःश्वायः सबदे । शुन्-नेमानेन। । हेन-वर्षेयः यात्रवायात्राव्याव्याक्षेरकेवार्यीः प्रचित्रवा । प्रिः क्षेत्रः रेवावायवार्सेवावात्रवार्यावायाः र्वेग । डेशम् वायायवरः मार्थयः वायायवरः सेतुः भ्रीमा डेश्वाचुः वायदिः व्यदः स्त्रीः वायदः द्रोः येग्रास्युः तर्वेदः प्रसार दः यें। प्रदे प्रदे स्त्रे स्त्रे स्त्रिय स्त्रे स्त श्चिर:पर्दे।।

